ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 27-05-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-05-27 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-05-28	2022-05-29	2022-05-30	2022-05-31	2022-06-01
वर्षा (मिमी)	2.0	8.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	21.0	22.0	24.0	25.0	26.0
न्यूनतम तापमान(से.)	13.0	14.0	14.0	15.0	15.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	65	65	60	60
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	35	30	30	25	25
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8.0	8.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	130	130	120	120	120
क्लाउड कवर (ओक्टा)	4	5	2	1	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, 27 व 28 मई को कहीं-कहीं बूंदा-बांदी व हल्की वर्षा हो सकती है तद्पश्चात् मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 21.0 से 26.0 व 13.0 से 15.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 से 8.0 किमी/ घंटे की गति से पूर्व-दक्षिण-पूर्व व दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 01 से 07 जून के दौरान राज्य में वर्षा समान्य से कम, अधिकतम व न्यूनतम तापमान समान्य रहने का अनुमान हैं। चेतावनीः 27 व 28 मई को कहीं-कहीं आकाशीय बिजली/तीव्र बौछार/ओला/तेज हवा (30-40 किमी/ घंटे की गति से) की संभावना है।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और मौसम आधारित कृषि सलाह प्राप्त करने के लिए "मेघदूत ऐप" तथा आकाशीय बिजली के पूर्वानुमान हेतु "दामिनी एप" डाउनलोड करें। मेघदूत व दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉ इड उपयोगकर्ताओं) ओं ओं और ऐप सेंटर (आईओएस उपयोगकर्ताओं) ओं ओं से डाउनलोड किया जा सकता है| भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई व एसपीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि नैनीताल जिले के लिए एनडीवीआई 0.2-0.4 के बीच है, यानी जिले में कृषि स्थिति मध्यम है तथा एसपीआई मानचित्र पिछले 4 हफ्तों से नैनीताल जिले में मध्यम नमी की स्थिति दर्शाता है। सूर्य की तीव्र या तेज किरणो से फल पेड़ो के तने पर बचाव के लिए पेड़ के तनो पर नीला थोता मिश्रित चूने का (नीला थोता 1 किग्रा, चूना 30 किग्रा, आधा लीटर अलसी का तेल 100 ली0 पानी में मिलाकर) प्रयोग करे।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, 27 व 28 मई को कहीं-कहीं बूंदा-बांदी व हल्की वर्षा हो सकती है तद्पश्चात् मौसम साफ

रहेगा।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	घाटी व कम ऊँचे क्षेत्रों में सिंचित दशा में रोपाई हेतु धान की नर्सरी का कार्य पूर्ण करें। जेठी धन की सीधी बुवाई (उपराऊँ/ऊखड़) जून माह के प्रथम सप्ताह तक कर लें।
बरनार्ड मिल	घाटियों व कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों फसल की बुवाई जून माह के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण करें।
मक्का	निचले पर्वतीय क्षेत्रों में मक्का फसल की बुवाई जून माह के प्रथम पखवाड़े में करें।
गन्ना	गन्ने में काले बग का प्रकोप हो तो फेन्थेएट 50 ई0सी0 के 1लीटर /हैक्टेयर या मोनोक्रोटोफास 36 एस0एल0 के 750 मिली या क्यूनालफास 25 ई0सी0 के 2 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करें। रसायनों का छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर मौसम साफ होने पर ही करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
आलू	घाटी क्षेत्र में आलू,प्याज एवं लहसून की फसल यदि तैयार हो खुदाई करें।
सेम की फली	घाटी क्षेत्र में फ्रासबीन कीहरी फलियों की तुड़ाई करें।
मिर्च	मिर्च मे पत्तियो पर धब्बे दिखाई देने पर मैन्कोजेब 2.5 ग्राम/ली पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव मौसम पूर्वानुमान को ध्यान में रखकर करे।
टमाटर	टमाटर की फसल मे विषाणु जनित रोगो के नियंत्रण हेतु संक्रमित पौधों (धों सिकुड़े हुए चित्तकबरे पत्ते दिखाई देने पर) को निकालकर नष्ट करे तथा रस चूसने वाले कीड़ो के नियत्रंण हेतु सर्वागीं कीटनाशी का छिड़काव करें। झुलसा रोग के प्रकोप से बचाव हेतु मैनकोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 या कॉपर आॅक्सीक्लोराइड 3.0 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिडकाव करे।
सेब	मध्यम ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में सेब के फलों को सड़ने से रोकने के लिए प्लेनोफिक्स नामक दवा का 10 पीपीएम छिड़काव करें
आड़ू	आड़ू, प्लम, खुमानी की अगेती किस्मों की तुड़ाई जारी रखें। गुठलीदार फलों को मण्डी भेजे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	दो से चार माह के उम्र के पशुओं को लंगड़ी बुखार का टीकाकरण करवाना चाहिए। दो माह की उम्र के बछड़ों/ बछियों को पीपराजीन नामक कृमिनाशक दवाई जरुर पिलायें।
भेंस	दो से चार माह के उम्र के पशुओं को लंगड़ी बुखार का टीकाकरण करवाना चाहिए। सायनाइड ग्रस्त चारा खाए हुए पशु को पानी नही पिलाना चाहिए तथा चारागाहो में चराने ले गये पशुओ को कम बढ़ी हुई ज्वार, बाजरा, चरी की फसल न खाने दे। छोटे मुर्झाये हुए पीले व सुखकर ऐठे हुए पौधो को चारे के रूप में उपयोग नही करे।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
मिट्टी परीक्षण	रबी फसलो की कटाई के बाद खाली खेत से इस मई माह में मृदा नमूना खेत से 10-15 विभिन्न स्थानो से लेना चाहिए। मिट्टी का नमूना 20 सेमी तक की गहराई से लेना चाहिए।